पंजीकरण-शुल्क :

शोध-पत्र सहित---3000/- (तीन हजार)
शोध-पत्र रहित---2000/- (दो हज़ार)
शोधार्थी के लिए शोध-पत्र सहित---2000/- (दो हजार)
शोध-पत्र रहित---1000/- (एक हज़ार)

संपर्क-सूत्र :

9435009125, 8638331239, 8638964510, 7002272818।

गौहाटी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह की स्वागत समिति

मुख्य संरक्षक

प्रोफेसर प्रतापज्योति संदिकै
कुलपति, गौहाटी विश्वविद्यालय

संरक्षकगण

डॉ. हेमन्त कुमार नाथ
कुलसचिव, गौ. वि.

डॉ. गुरुप्रसाद खाटनियार
शैक्षिक कुलसचिव, गौ. वि.

अध्यक्ष

डॉ. अच्युत शर्मा
हिन्दी विभाग, गौ. वि.

उपाध्यक्ष

प्रो. दिलीप कुमार मेधि
हिन्दी विभाग, गौ. वि.

प्रोफेसर सौरभप्राण गोस्वामी
अध्यक्ष, कला संकाय, गौ. वि.

संयोजक

डॉ. रीतामणि वैश्य
विभागाध्यक्ष,
हिन्दी विभाग, गौ. वि.

कोषाध्यक्ष

डॉ. अमूल्य चन्द्र बर्मन
हिन्दी विभाग, गौ. वि.

उप-संयोजक

डॉ. अमित कुमार पाण्डेय
हिन्दी विभाग, गौ. वि.

ज्ञान शांति मैत्री

International Forum for Language & Literature

हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के अवसर पर

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

द्वारा प्रायोजित व

हिंदी विभाग,गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटीतथा अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं साहित्य मंच, भारत

के संयुक्तच तत्वा्वधान में आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय : हिंदी की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ : पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में

दिनांक : 19-20 फरवरी, 2020 ई.

स्थान : हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी

उद्घाटन समारोह : फणीधर दत्त मेमोरियल हॉल, गौहाटी विश्वविद्यालय

समय : (पूर्वाह्न 10 बजे)

मान्यवर,

यह सूचित करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है कि आगामी **19-20 फरवरी, 2020** ई. को **हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह** के अवसर पर **हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा** के प्रायोजन एवं **हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं साहित्य मंच, भारत** के संयुक्त तत्वावधान में **'हिंदी की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ : पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में'** शीर्षक विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित होने जा रही है । इस संगोष्ठी के सभी कार्यक्रमों में आप सादर आमंत्रित हैं।

स्थान : हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

भवदीय

डॉ.किरण हजारिका
अध्यक्ष,अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं साहित्य मंच, भारत

डॉ.रीतामणि वैश्य
अध्यक्ष,हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय एवं स्थानीय संगोष्ठी संयोजक

अध्यापक कृष्ण कुमार सिंह
निदेशक,हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्रमहात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यक्रम-प्रारूप

बुधवार,19 फरवरी, ई. 2020

उद्घाटन समारोह (पूर्वाह्न 10 बजे)

प्रथम शैक्षणिक सत्र (अपराह्न 12.30 बजे) : 'हिंदी भाषा की विकास-यात्रा एवं उसके विविध स्वरूप'

द्वितीय शैक्षणिक सत्र (अपराह्न 3.00 बजे) : 'हिंदी भाषा का राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिदृश्य'

सांस्कृतिक समारोह (सायं 5.00 बजे)

बृहस्पतिवार,20 फरवरी, ई. 2020

तृतीत शैक्षणिक सत्र (पूर्वाह्न 10.00 बजे) : 'भाषा-शिक्षण एवं हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ'

चतुर्थ शैक्षणिक सत्र (दोपहर 12.00 बजे) : 'पूर्वोत्तर भारत के भाषा-साहित्य और हिंदी'

समापन सत्र (अपराह्न 3.00 बजे)

संगोष्ठी का विषय

हिंदी की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ : पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में

उप-विषय

1. हिंदी भाषा की विकास-यात्रा 2. हिंदी भाषा के विविध रूप-- राजभाषा,राष्ट्रभाषा,संपर्क भाषा,विश्व भाषा आदि 3. हिंदी भाषा की वैश्विक स्थिति 4. हिंदी भाषा का राष्ट्रीय परिदृश्य 5. पूर्वोत्तर भारत में हिंदी की वर्तमान स्थिति 6. असम में हिन्दी : अतीत,वर्तमान और भविष्य 7. अरुणाचल में हिन्दी : अतीत, वर्तमान और भविष्य 8. मेघालय में हिन्दी : अतीत, वर्तमान और भविष्य 9. सिक्किम में हिन्दी : अतीत,वर्तमान और भविष्य 10. मणिपुर में हिन्दी : अतीत, वर्तमान और भविष्य 11. नागालैंड में हिन्दी : अतीत,वर्तमान और भविष्य 12. मिजोरम में हिन्दी : अतीत,वर्तमान और भविष्य 13. त्रिपुरा में हिन्दी : अतीत,वर्तमान और भविष्य 14. वैश्विक स्तर पर हिंदी की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 15. राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 16. पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में हिंदी की चुनौतियाँ एवं संभावनाएं 17. पूर्वोत्तर भारत में कार्यरत हिन्दी-सेवी संस्थाओं का योगदान 18. पूर्वोत्तर के भाषा-साहित्य-संस्कृति के संवर्द्धन में हिंदी का योगदान 19. हिंदी भाषा एवं साहित्य के विविध पक्ष 20. हिंदी के साथ अन्य भाषा एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन 21. मूल विषय से संबंधित अन्य विषय।

शोध-पत्र के लिए निर्देश : शोध-पत्र में प्रस्तुतकर्ता के मौलिक चिंतन का होना अनिवार्य है। पत्र के साथ सार-संक्षेप संलग्न किया जाए। पत्र इन बिंदुओं में प्रस्तुत किया जाए-- 1. प्रस्तावना 2. अध्ययन का महत्व 3. अध्ययन का शीर्षक 4. अध्ययन का उद्देश्य 5. अध्ययन का सीमांकन 6. अध्ययन में व्यवहृत पद्धति एवं उपाय 7. विश्लेषण एवं निर्वचन 8. स्थापना 9. निष्कर्ष।

ध्यान देने योग्य कुछ बातें:

- सार-संक्षेप 200 शब्दों में हो और उसके नीचे दो-चार बीज शब्दों का उल्लेख हो।
- शोध-पत्र 4000 (चार हजार) शब्दों में सीमित हो।
- पत्र की भाषा हिंदी, असमीया, बांग्ला अथवा अंग्रेजी हो।
- शोध-पत्र में MLA शोध-पद्धति का प्रयोग हो।
- सार-संक्षेप पेजमेकर में टंकित हो;हिन्दी, असमीया और बांग्ला के लिए रामधेनु के गीतांजलि फॉन्ट में टंकित कर hindi@gauhati.ac.in पते पर अवश्य ही दिनांक 05/02/2020 तक भेजा जाय। साथ ही, सार-संक्षेप की 'हार्ड कॉपी' विभागीय कार्यालय में जमा की जाए ।